

पावन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत प्रवाह

डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17

वर्ष 03 अंक 02 लखनऊ। सोमवार 03 से 09 अक्टूबर-2016

e-mail-pawanprawah@gmail.com

मूल्य : तीन रुपये पृष्ठ-16

10

लखनऊ। सा. सोमवार 03 से 09 अक्टूबर-2016

सृजन प्रवाह

www.pawanprawah.com
e-mail-pawanprawah@gmail.com

पावन प्रवाह

रुद्राक्ष व तुलसी की माला में 108 मनिकाओं का वैज्ञानिक महत्व



लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज
लखनऊ के निदेशक हैं

हम सभी जानते हैं कि भगवान शिव असीम ऊर्जा अथवा शक्ति के में आराध्य हैं और सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड को चला रहे हैं तथा इनकी पूजा का महत्व विभिन्न हिन्दू धर्म ग्रंथों में प्रकट किया गया है। इसी प्रकार ब्रह्मा को संसारिक जीवों की उत्पत्ति का और विष्णु को संसारिक क्रिया कलापों को चलाने का ध्योतक माना गया है। यहां पर आज प्रोफेसर (डॉ.) भरत राज सिंह, निदेशक स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ जो वैदिक विज्ञान केन्द्र के भी मुख्य संयोजक हैं। रुद्राक्ष की

माला में 108 मनिकाओं तथा तुलसी की माला में भी 108 मनिकाओं के रखे जाने व उसके जाप के विषय में चर्चा की गयी।

रुद्राक्ष की माला में 108 मनिकाओं का महत्व: प्रोफेसर भरत राज सिंह ने बताया कि रुद्राक्ष अपनी विभिन्न गुणों के कारण व्यक्ति को दिया गया, 'प्रकृति का एक अमूल्य उपहार है'। ऐसी मान्यता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के नेत्रों से निकले जल बिन्दुओं से हुई है। जिसके फलस्वरूप रुद्राक्ष का महत्व जग प्रकाशित है। रुद्राक्ष को धारण करने से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं तथा इसको धारण करके की गई पूजा हरिद्वार, काशी, गंगा जैसे तीर्थस्थलों के समान फल प्रदान करती है। रुद्राक्ष की माला द्वारा मंत्र उच्चारण करने से फल प्राप्ति की संभावना कई गुना बढ़ जाती है तथा इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। रुद्राक्ष की माला आठेतर शत अर्थात् 108 रुद्राक्षों की या 54 रुद्राक्षों की होनी चाहिए अन्यथा सत्ताइस दाने की तो अवश्य हो। इस संख्या में इन

रुद्राक्ष मनकों को पहनना विशेष फलदायी माना गया है। शिव भगवान का पूजन एवं मंत्र जाप रुद्राक्ष



की माला से करना बहुत प्रभावी माना गया है तथा अलग-अलग रुद्राक्ष के दानों की माला से जाप या पूजन करने से विभिन्न इच्छाओं की पूर्ति होती है।

तुलसी की माला में 108 मनिकाओं का

महत्व: भारत में पुरातन काल से ही तुलसी की औषधीय गुणों को काफी महत्ता प्रदान की गयी है तथा शारीरिक कष्टों के निवारण में तुलसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया है। इसे चन्द्रमा को प्रतीक माना गया है। आइए जानें तुलसी के पत्तियों के कुछ अवसधीय गुणों के बारे में, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद हैं तुलसी में शोथ के उपरांत विभिन्न स्वास्थ्य लाभ के गुणों की पुष्टि होती है, जैसे- तुलसी की पत्तियां कफ साफ कर खांसी में लाभप्रद, त्वचा के रोगों को दूर करने काढ़ा पीने से मिरदर्द में राहत, इलाइची अदरक व तुलसी की पत्तियों के सेवन से दस्त उल्टी दूर होना, तुलसी की 8-10 पत्तियां रोजाना खाने से तनाव दूर होता है, तुलसी के अर्क से आंख की समस्या में लाभ, तुलसी के अर्क में कपूर मिलाकर कान में डालने से सुनने की समस्या दूर होना, तुलसी की पत्तियां खाने व काढ़ा पीने से दमा व सांस की तकलीफ दूर होना और



रोजाना तुलसी की पत्तियां चबाने मुंह का संक्रमण दूर होने का लाभ प्राप्त होता है। यहां

यह उल्लेख करना अति महत्वपूर्ण होगा की यदि तुलसी की पत्तियों में इतने गुण हैं, तो इसकी 108 मनिकाओं की माला को धारण कर पाठ करने से शारीरिक सभी कष्टों का निवारण अवश्य होगा तथा मनुष्य को स्वस्थ व निरोगी शरीर से अच्छे करने में लगाव बढ़ता है।

वैदिक विज्ञान केन्द्र, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के महत्वपूर्ण शोध को जिसमें 108 मनिकाओं का वैज्ञानिक आधार पर क्या महत्व है अगले अंक में अवश्य पढ़ें।

●क्रमशः